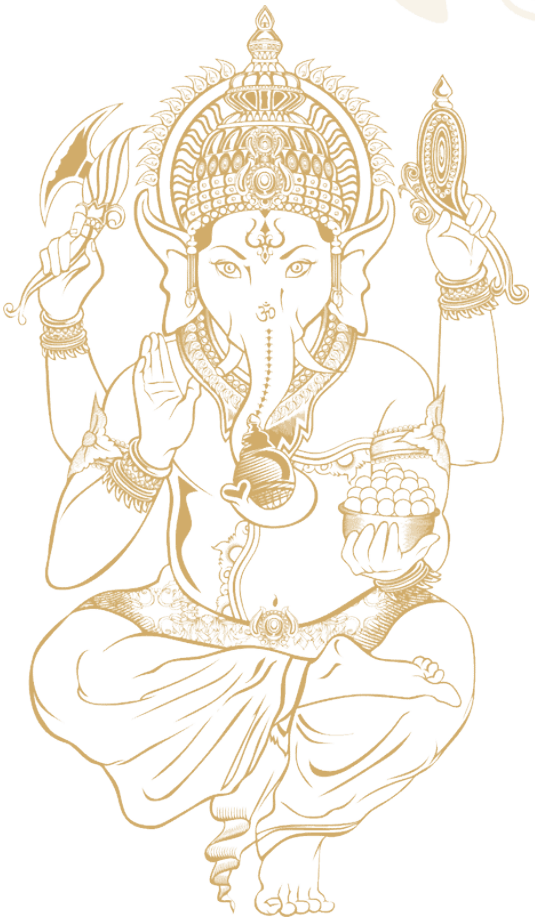

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121822803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31-01/01/1999	जन्म तिथि	02/10/2004
गुरु-शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 02:00:00	जन्म समय	16:00:00 घंटे
घटी 47:07:43	जन्म समय(घटी)	24:30:47 घटी
India	देश	India
Iglas	स्थान	Agra
27:43:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
77:56:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:16	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:54	सूर्योदय	06:11:15
17:34:13	सूर्यास्त	18:02:56
23:50:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:14

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 0मा 11दि	07:25:55	तुला	लग्न	कुंभ	04:40:13	सूर्य 3वर्ष 8मा 10दि
गुरु	16:07:00	धनु	सूर्य	कन्या	15:38:43	राहु
12/01/2021	28:59:08	वृष	चंद्र	वृष	01:47:14	13/06/2025
12/01/2037	24:28:11	कन्या	मंगल	कन्या	09:59:33	14/06/2043
गुरु 02/03/2023	27:13:35	वृश्चि	बुध	कन्या	13:01:58	राहु 24/02/2028
शनि 12/09/2025	28:04:44	कुंभ	गुरु	कन्या	07:39:13	गुरु 20/07/2030
बुध 19/12/2027	01:21:35	मक	शुक्र	सिंह	04:35:31	शनि 26/05/2033
केतु 24/11/2028	02:55:55	मेष	शनि	कर्क	02:11:27	बुध 13/12/2035
शुक्र 26/07/2031	29:02:25	कर्क व	राहु	मेष	08:18:19	केतु 31/12/2036
सूर्य 13/05/2032	29:02:25	मक व	केतु	तुला	08:18:19	शुक्र 01/01/2040
चन्द्र 12/09/2033	17:06:33	मक	हर्ष व	कुंभ	09:35:35	सूर्य 24/11/2040
मंगल 19/08/2034	07:12:48	मक	नेप व	मक	18:49:06	चन्द्र 26/05/2042
राहु 12/01/2037	15:16:08	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:54:35	मंगल 14/06/2043

लग्न-चलित

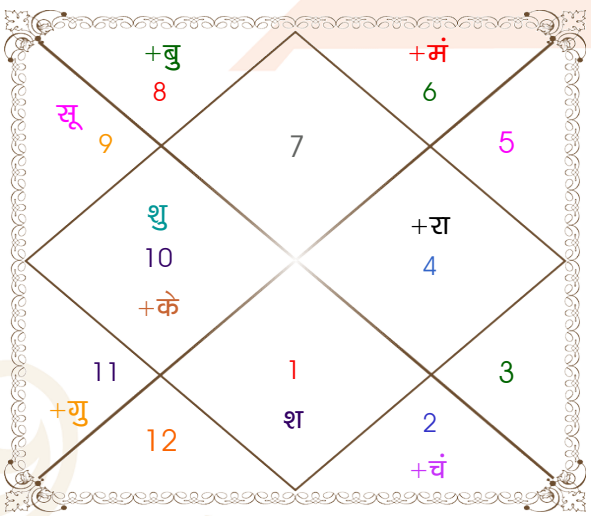

लग्न-चलित

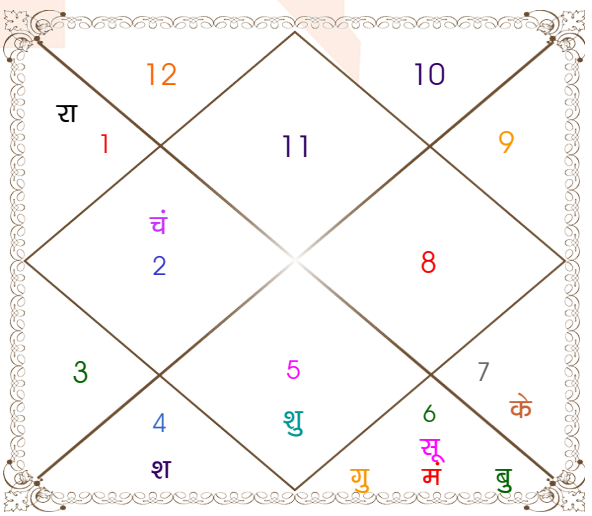

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।